Estd. : 2002

श्रद्धा - सेवा - विश्वास

Prospectus

Gulab Bai Yadav
College of Education

Approved by NCTE, New Delhi, Recognised by Govt. of M.P.
Affiliated to Devi Ahilya Vishwavidyalaya, Indore

"Vidya Vihar" Borawan, KHARGONE (M.P.)
Visit us : www. gbystedu.com, email : gbybedcollege@rediffmail.com

स्व. गुलाबबाई यादव स्मृति ट्रस्ट, बोरावां

प्रबन्धकारिणी

विकसित समाज का सर्वाधिक महत्वपूर्ण घटक है 'शिक्षा'। एक लोकतांत्रिक राष्ट्र में शिक्षा और शिक्षकों के बिना प्रगति की कल्पना ही निरर्थक है। आज देश में 40 से 50 लाख शिक्षक है, जो अपने शैक्षणिक कार्यों, व्यवहारों से साक्षरता जैसे मिशनों को सफलता की ओर ले जा रहे हैं। हर अनुसंधान और अविष्कार तथा हर उत्थान और प्रगति के सोपानों का निर्माण करने के मूल में शिक्षा और शिक्षक ही होते हैं, जो निरंतर प्रगति का आधार बनते हैं।

मैं इस शिक्षा संस्थान के उक्त पवित्र संकल्प की मंगलकामना करता हूँ, ताकि समाज के सभी वर्गों के लोग इस महाविद्यालय में प्रवेश लेकर प्रासंगिक शिक्षण एवं व्यावसायिक शिक्षण ले सके तथा देश के विकास में अपनी प्रतिभा का प्रखर प्रयोग निश्चित कर सकें।

माननीय श्री सुभाष यादव

मुख्य ट्रस्टी एवं पूर्व उपमुख्यमंत्री, म. प्र. शासन

कहते हैं कि शिक्षा राष्ट्र की रीढ़ है। आज यह आवश्यक है कि शिक्षा विवेक जागृत करनेवाली, स्वावलम्बी बनाने वाली है। शिक्षार्थी, शिक्षा प्राप्ति के लक्ष्य को रोजगार से न जोड़ककर ज्ञान विकास का माध्यम बनाये। शिक्षक चरित्रवान, कर्तव्यनिष्ठ होकर विद्यादान दे, तभी हम खुशहाल राष्ट्र का सपना साकार कर सकते हैं। इस उद्देश्य को ध्यान में रखकर इस शिक्षक प्रशिक्षण संस्थान की संस्थापना का भागीरथ प्रयास किया गया है, जो शिक्षक प्रशिक्षण को प्रोत्साहन देने की दिशा में बढ़ने वालों के लिए मील का पत्थर साबित होगा।

माननीय श्री अरुण यादव

ट्रस्टी एवं केन्द्रीय राज्यमंत्री
भारी उद्योग एवं सार्वजनिक उपक्रम, भारत सरकार

उजाला अंधकार को दूर कर देता है और उचित शिक्षा मनुष्य के जीवन को सफल और समाज में एक अलग तरह व्यक्तित्व प्रदान करती है। अत: शिक्षा सभी उम्र एवं वर्ग के मनुष्य के लिए आवश्यक है। तभी हमारे का विकास होगा। शिक्षा महाविद्यालय अपने अनुशासन अध्यापन कार्य के लिए प्रसिद्ध है। महाविद्यालय का परीक्षा परिणाम प्राविण्य सूची में अग्रणी रहा है। आशा है विद्यार्थी इस संस्थान में शिक्षक प्रशिक्षण ग्रहण कर अपने और देश के विकास में समुचित योगदान देंगे।

माननीय श्री सचिन यादव

ट्रस्टी गुलाबबाई यादव स्मृति ट्रस्ट, बोरावां

महाविद्यालय प्रार्थना

या कुन्देन्दु तुषार हार धवला, या शुभ्र वस्त्रावता:
या वीणा वर दण्ड मण्डित करा:, या श्वेत पद्मासना:
या ब्रह्माच्युत प्रभुतिभि:, देवै: सदा वंदिता:
सा मां पातु सरस्वती भगवती नि:शेष जाड्या पहा:

यं ब्रह्मा वरुणेन्द्र रुद्र मरुत: स्तुवन्तिदिव्यै स्तवै:
वेदे: सांगपद क्रमोप निषदै: गायन्ति यं सामगा:
ध्यानावस्थित तद्गतेन मनसा पश्यन्ति यं योगिनो
यस्यान्त: न विदु: सरासुराणा: देवाय तस्मै नम:

बुद्धम् शरणम् गच्छामि, धम्मम् शरणम् गच्छामि
ॐ णमो अरिहंताण, ॐ नमोसिद्धणंम्
रामम् शरणम् गच्छामि, कृणम ण् शरणम् गच्छामि
ला – ई – लहा इलल्लाह, जय बोलोसत श्री अकाल
ईसा शरणम् गच्छामि, सत्यम् शरणम् गच्छामि
बुद्धम् शरणम् गच्छामि, धम्मन् शरणम् गच्छामि

ॐ तत्सम श्री नारायण तू, पुरुषोत्तम गुरु तू
सिद्ध बुद्ध तू, स्कंद विनायक, सविता पावक तू
ब्रह्म मज्द तू, यव्ह शक्ति तू, ईशु पिता प्रभु तू
रुद्र विष्णु तू, राम कृष्ण तू, रहीम ताओ तू
वासुदेव गो, विश्वरुप तू, चिदानन्द हरि तू
अद्वितीय तू, अकाल निर्भय, आत्मलिंग शिव तू

रघुपति राघव राजा राम, पतित पावन सीताराम
सीताराम जय सीताराम, भज प्यारे तू सीताराम
ईश्वर अल्लाह तेरे नाम, सबको सनमति दे भगवान
रघुपति राघव राजा राम, पतित पावन सीताराम

हे प्रभो, आनंद दाता ज्ञान हमको दीजिए,
शीघ्र सारे दुर्गुणों को, दूर हमसे कीजिए।
लीजिए हमको शरण में, हम सदाचारी बनें,
ब्रह्मचारी, धर्म रक्षक, वीर, व्रतधारी बनें।
हिन्द में पैदा हुये हैं, हिन्द की संतान हैं,
हिन्द के खातिर मरे, वरदान ऐसा दीजिए।
रहम का दरिया बहे, दिल में हमारे रात–दिन,
फिर तुम्हें भुले नहीं, सद्ज्ञान ऐसा दीजिए।

हर देश में तू, तेरे नाम अनेक तू एक ही है,
तेरी रंगभूमि यह विश्व भरा, सब खेत में पेड़ में तू ही तोहै।
1. सागर से उठा बादल बन के, बादल से फूटा जल हो कर के,
फिर नहर बना, नदियाँ गहरी, तेरे भिन्न प्रकार तू एक ही है।
2. माटी से अणु परमाणु बना सब जीत जगत का रुप दिया,
कहीं पर्वत वृक्ष विशाल बने, सौन्दर्य तेरा तू एक ही है।
3. यह दिव्य दिखाता है जिसने, यह है गुरुदेव की पूर्ण दया,
तुकड्या कहेऔर न कोई दिखा, बस में औश्र तू सब एक ही है।

भजमन राम रहीम–रहीम
आलक-इलाही एक है, नाम धराया दोय,
काशी-काबा एक है, एक है कृष्ण-करीम।
अल्लाह-ईश्वर एक है, नाम धाराया दोय,
काशी-बाबा एक है, एक है राम-रहीम।
भज राम रहीम–रहीम,
जो है राम वही है रहीम, जो है कृष्ण वही है करीम,
राम रहीम, कृष्ण करीम, राम रहीम, कृष्ण करीम,
कृष्ण करीम, राम रहीम,भजमन राम रहीम–रहीम।

हे दयामय दीनबंधु, दीन कोअपनाइये,
डूबता बेड़ा मेरा, मँझधार पार लगाइये।
नाथ तुम तो पतित पावन, मैं पतित सबसे बड़ा,
कीजिए पावन मुझे, मैं शरण में आ पड़ा।
तुम गरीब नवाज हो, यह जगत सारा कह रहा,
मैं गरीब अनाथ, दु:ख प्रवाह में नित बह रहा।
छूट जाये दु:ख सारे, क्षुद्र सीमा देर हो,
द्वैत की दुविधा मिटे, आनंद पूर्णानन्द हो।
आनंद सीमा रहित हो, आनंद पूर्णानन्द हो,
आनंद सत् आनंद हो, आनंद चित्त आनंद हो।

दो शब्द

प्रिय विद्यार्थियों,

श्री गुलाबाई यादव स्मृति शिक्षा महाविद्यालय में आपका स्वागत है। आप इस महाविद्यालय से डी. एड./ बी. एड/ एम. एड पाठ्यक्रम में प्रवेश लेकर अपने भविष्य के प्रति आश्वस्त हो सकते हैं कि आपने सही शिक्षण संस्थान का चुनाव किया। हमारा प्रयास है कि यह संस्थान अनुसंधान केन्द्र के रूप में विकसित हो।

निमाड़ के प्रतिभावान विद्यार्थियों को उच्चस्तरीय शैक्षणिक सुविधाओं एवं श्रेष्ठ मार्गदर्शन हेतु श्री गुलाबाई यादव स्मृति शिक्षा महाविद्यालय समूचे निमाड़ में एक उत्कृष्ट शिक्षा केन्द्र के रूप में अनेक वर्षों से संचालित हो रहा है।

आर. एन. गर्ग
सचिव

प्रिय विद्यार्थियों,

क्या कामयाबी किसी पेड़ पर उगती है ? बुद्धके जीवन में एक राष्ट्र के राजा बनने की स्थितियां मौजूद थी, मगर वे ऐश्वर्य त्याग कर गए तो युगों के राजा बन गए। जो सबसे अलग कर गुजरता है वही सफल है।

निमाड़ के इस सबसे उत्कृष्ट शिक्षक प्रशिक्षण संस्थान का स्वरूप शून्य में से ही बना है, इसके निर्माण का सारा श्रेय हमारे चेयरमेन एवं पूर्व उपमुख्यमंत्री म.प्र.शासन, माननीय सुभाष यादव जी को जाता है। इस महाविद्यालय के निर्माण में उन्होंने जो एक सुंदर सपना देखा था उसे यथाशक्ति आगे बढ़ाने का प्रयास किया जावेगा। यहाँ से शिक्षा प्राप्त करके अपने व्यक्तिगत और सामाजिक जीवन को उन्नत बनावे।

आप इस महाविद्यालय से डी.एड., बी.एड. एवं एम.एड.पाठ्यक्रम सफलतापूर्वक पूर्ण कर अच्छे शिक्षक एवं शिक्षाशास्त्री बने, इस हेतु हम हर सम्भव प्रयासों में कहीं भी कमी नहीं होने देने का वादा करते हैं। आपके उज्जवल और यशस्वी भविष्य के लिए हार्दिक शुभकामनाओं के साथ एक अपेक्षा भी आप कुछ अलग कर दिखाएंगे ....

डॉ. सुरेन्द्र कुमार तिवारी
प्राचार्य
एम.एस-सी. (वनस्पतिशास्त्र)
एम.एड., पी-एच.डी. (शिक्षा)
पी.जी.डी.आर.पी.

पृष्ठभूमि

ग्रामीण भारत के सर्वांगीण विकास और भविष्य की पीढ़ी के नव निर्माण के लिये पुण्य सलिला माँ नर्मदा के सुरम्य तट पर मण्डलेश्वर तथा नवग्रह की नगरी, खरगोन के मध्य स्थित बोरावाँ के प्राकृतिक वातावरण में स्व. गुलाबबाई यादव शिक्षा महाविद्यालय सर्वश्रेष्ठ स्थान पर स्थित है। सन 2002 में स्थापित निमाड़ का पहला शिक्षक प्रशिक्षण संस्थान है, जहाँ डी. एड., बी.एड. एवं एम. एड. पाठ्यक्रम संचालित हो रहे हैं। संस्थान में व्यावसायिक दक्षता तथा उच्च शिक्षा प्राप्त शिक्षकों की व्यवस्था है, जो अपने-अपने विषयों में विशेषज्ञता प्राप्त हैं। इस संस्थान का मुख्य उद्देश्य विद्यार्थियों में ज्ञानयुक्त व्यावसायिक दक्षता विकसित करना है, जिससे उनमें व्यावसायिक संभावनाओं के प्रति रुचि जागृत हो सके।

कॉलेज के बारे में

संबद्धता

गुलाब बाई यादव, शिक्षा महा., बोरावाँ के द्वारा डी.एड., बी.एड., एम.एड., पाठ्यक्रम संचालित हैं। इन पाठ्यक्रमों को राष्ट्रीय अध्यापक शिक्षा परिषद नई दिल्ली एवं देवी अहिल्या विश्वविद्यालय, इंदौर से मान्यता प्राप्त है तथा उक्त शिक्षा विभाग भोपाल (म.प्र.) के प्रशासनिक नियंत्रण में है।

पुस्तकालय

महाविद्यालय के पुस्तकालय में लगभग 5 हजार से अधिक राष्ट्रीय एवं अंतराष्ट्रीय स्तर की पुस्तकों की विशाल श्रृखंला तथा शैक्षिक इनसाइक्लोपीडिया एवं अंतराष्ट्रीय स्तर के रिसर्च जर्नल का अनूठा संग्रह है।

छात्रावास

शिक्षा महाविद्यालय में विद्यार्थियों के रहने की आवासीय व्यवस्था छात्र एवं छात्राओं का सुव्यवस्थित पृथक-पृथक छात्रावास है। छात्रावास में बिजली, पानी, पंखा, पलंग, फर्नीचर की व्यवस्था है। छात्रावास में रहने वालों को भोजनालय में भोजन करना अनिवार्य है।

प्रयोगशाला

शिक्षा महाविद्यालय में अत्याधुनिक कम्प्यूटर लेब, शैक्षिक प्रौद्योगिकी लेब, शिक्षा मनोविज्ञान प्रयोगशाला एवं विशेष उपकरणों से सुसज्जित आधुनिक लैंग्वेज लर्निंग प्रयोगशाला है। तथा कक्षाओं में अध्यापन कार्य हेतु ऑडियो विडियो युनिट एवं विशाल प्रोजेक्टर की व्यवस्था है। जनरेटर एवं इंटरनेट (वाई-फाई) की व्यवस्था सम्पूर्ण केम्पस में है।

पाठ्यक्रम

डी. एड

क.	डी.एड.(प्रथम वर्ष)	डी.एड. (द्वितीय वर्ष)
1.	विकासोन्मुख भारतीय समाज में शिक्षा	शिक्षा मनोविज्ञान
2.	बाल मनोविज्ञान	पोषण स्वास्थ्य एवं शारीरिक शिक्षा
3.	विद्यालय प्रबंध एवं नियोजन	द्वितीय भाषा अंग्रेजी तथा उसकी शिक्षण विधियाँ
4.	बाल केन्द्रित शिक्षा एवं शैक्षिक प्रौद्योगिकी	तृतीय भाषा तथा उसकी शिक्षण विधियाँ
5.	हिन्दी भाषा	सामाजिक विज्ञान एवं उसका शिक्षण
6.	गणित एवं उसकी शिक्षण विधियाँ	विज्ञान एवं पर्यावरणीय शिक्षा एवं उसका महत्व

बी. एड

क.	प्रथम सेमिस्टर	द्वितीय सेमिस्टर
1.	शिक्षा मनोविज्ञान	उदीयमान भारतीय समाज में शिक्षा
2.	शिक्षण विधि – I	माध्यमिक शिक्षा मुद्दे एवं समस्याएं
3.	शिक्षण विधि – II	सूचना एवं सम्प्रेषण तकनीकी
4.	सूक्ष्म शिक्षण	शैक्षिक प्रौद्योगिकी
5.	प्रेक्टिस टीचिंग (प्रायोगिक)	शिक्षा मनोविज्ञान प्रायोगिक
6.	कार्यानुभव (प्रायोगिक)	वैकल्पिक

नोट :

1. **सेमिस्टर प्रथम में शिक्षण विधि (कोई दो)**
   हिन्दी, अंग्रेजी, संस्कृत, उर्दू, सामाजिक विज्ञान, नागरिकशास्त्र, अर्थशास्त्र, भूगोल, इतिहास, रसायन विज्ञान, भौतिक विज्ञान, जीव विज्ञान, गणित, गृहविज्ञान एवं वाणिज्य।
2. **सेमिस्टर द्वितीय में वैकल्पिक विषय (कोई एक)**
   क्रियात्मक अनुसंधान, शैक्षिक प्रशासन, निर्देशन एवं परामर्श, मापन एवं मूल्यांकन, अनौपचारिक शिक्षा एवं विशेष शिक्षा।
3. **कार्यानुभव (कोई एक)**
   बागवानी, सिलाई व कढ़ाई, खिलौना बनाना, चाय बनाना, पुस्तकालय विज्ञान।

एम. एड

क.	सेमिस्टर प्रथम	सेमिस्टर द्वितीय
1.	शिक्षा के दार्शनिक एवं समाजशास्त्रीय आधार – I	शिक्षा के दार्शनिक एवं समाजशास्त्रीय आधार – II
2.	प्रगत शिक्षा मनोविज्ञान – I	प्रगत शिक्षा मनोविज्ञान – II
3.	शिक्षा अनुसंधान सांख्यिकी – I	शिक्षा अनुसंधान सांख्यिकी – II
4.	लघुशोध	लघुशोध
5.	वैकल्पिक – I	वैकल्पिक – I
6.	वैकल्पिक – II	वैकल्पिक – II

वैकल्पिक (कोई दो) –
निर्देशन एवं परामर्श, शैक्षिक प्रौद्योगिकी, शिक्षा प्रशासन, अध्यापक शिक्षा

नियम-आचरण

प्रवेश संबधित नियम

1. देवी अहिल्या विश्वविद्यालय इंदौर, राष्ट्रीय अध्यापक शिक्षा परिषद, नई दिल्ली, राज्य शिक्षा केन्द्र भोपाल और म.प्र. शासन, शिक्षा विभाग के नियमों का पालन करना होगा।
2. अनुशासनहीनता करने पर प्रशिक्षणार्थी का प्रवेश निरस्त करनेका अधिकार प्राचार्य को होगा।
3. किसी भी प्रशिक्षणार्थी को प्रशिक्षण के दौरान सत्र में 3. दिन सेअधिक का अवकाश की पात्रता नहीं होगी तथा लगातार 15 दिन तक अनुपस्थित रहने पर प्रवेश निरस्त माना जावेगा। का अवकाश लेनेकी पात्रता नहीं होगी।
4. महाविद्यालय में प्रतिदिन की प्रार्थना में उपस्थित होना अनिवार्य होगा।
5. महाविद्यालय द्वारा निर्धारित यूनिफार्म कॉलेज कोड के अनुसार आना होगा।
6. अभ्यास अध्यापन के दौरान महाविद्यालयीन गणवेश पहनना अनिवार्य है।
7. एक बार प्रवेश लेने के पश्चात देय शुल्क वापस नहीं होगा।
8. देवी अहिल्या विश्वविद्यालय से बाहर के प्रवेशार्थी, प्रवेश तिथि से 1 माह में माइग्रेशन प्रमाण पत्र प्रस्तुत करें।
9. प्रशिक्षणार्थियों को मुख्यालय पर ही रहना अनिवार्य है।
10. अनुसूचित जाति, जनजाति एवं पिछड़ा वर्ग के छात्रों के लिए छात्रवृत्ति की सुविधा शासन के नियमानुसार उपलब्ध।

बी.एड. "इग्नू"

शिक्षा महाविद्यालय, निमाड़ का एकमात्र शिक्षक–प्रशिक्षण संस्थान के रुप में अपनी पहचान बना रहा है, जहाँ नियमित पाठ्यक्रम के साथ इंदिरा गाँधी राष्ट्रीय मुक्त विश्वविद्यालय, नई दिल्ली (इग्नू) का बी.एड. पाठ्यक्रम का संचालन भी कई वर्षों से हो रहा है, तथा इग्नू बी.एड. का अध्ययन केन्द्र है, जहाँ बी.एड. (इग्नू) छात्र-छात्राओं के लिए प्रतिवर्ष कार्यशालाएं आयोजित होती है तथा सतत् मूल्यांकन किया जाता है।

स्व. श्रीमती गुलाबबाई यादव

पूज्यनीय स्व. श्रीमती गुलाबबाई यादव की स्मृति में इस शिक्षा महाविद्यालय की आधारशिला रखी गयी। जहाँ उनके स्वप्नों एवं आदर्शों को मूर्त रुप दिया जा रहा है। इस शिक्षा संस्थान के माध्यम से शिक्षा का अलौकिक प्रकाश निरंतर फैल रहा है। जो समाज को एक नयी दिशा एवं गति प्रदान करेगा।

स्व. गुलाबबाई यादव स्मृति ट्रस्ट, बोरावां

स्थापना	: 2002
स्थिति	: निजी
ट्रस्ट	: गुलाब बाई यादव ट्रस्ट, बोरावाँ
प्रमुख ट्रस्टी	: माननीय सुभाष यादव
प्राचार्य	: डॉ. सुरेन्द्र तिवारी
तकनीकि सलाहकार	: डॉ. वाय. खान
विभागीय अधिकारी	: श्री रविकांत जोशी
स्थान	: जी.बी.वाय. मेमोरियल कॉलेज आफ ऐजुकेशन, विद्या विहार, बोरावां, तह. – कसरावद, जिला - खरगोन (म.प्र.) 451228

श्री रविकांत जोशी
विभागीय अधिकारी
मोबा. : 98935-71029

डॉ. वाय खान
मोबा. : 94250-80155
फोन : 0755-2440480

श्री संजय शर्मा
मोबा. : 94254-49155

श्री आर.एन. गर्ग
सचिव
मोबा. : 98260-33960

डॉ.सुरेन्द्र कुमार तिवारी
प्राचार्य
फोन : 07285-277853
मोबा. : 94240-56999